तर्ज- कर चले हम फिदा जानो तन
हादी के कदमों पर अब चलें साथियो
जाग कर जागनी अब करें साथियो
1- छल कपट की दुनियां में आ ही गये
खेल घर जैसा है धोखा खा ही गये
तोड़ बंधन चलें अपने घर साथियो

2- आए हमको जगाने जागनी रत्न
बिछुड़ी रूहों का आकर कराया मिलन
मिलके धाम धनी संग चलें साथियो

3- वादा धाम का पूरा करना हमें
भूल जाऊं अगर तुम बताना हमें
दूर नफरत दिलों की करें साथियो

4- अपना इक है धनी अपना इक है वतन
हम अर्श की रूहों का इक है खसम
एक है एक होकर चलें साथियो

Nijanand App